आगे बढ़ने के लिए नवाचार की जरूरत : बालासुब्रह्मण्यम

- किसी विषय की सतही नहीं, गहरी समझ की जरूरत
- आइआइएम रांची ने मनाया पंद्रहवां स्थापना दिवस

जागरण संवाददाता, रांची : भारतीय प्रबंधन संस्थान रांची ने शुक्रवार को अपना पंद्रहवा स्थापना दिवस मनाया। परिसर के स्वामी विवेकानंद सभागार में इसका आयोजन किया गया था। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भारत सरकार के क्षमता निर्माण आयोग के सदस्य (एचआर) रामास्वामी बालासुब्रह्मण्यम ने अपने संबोधन में व्यक्तियों के सामाजिक महत्व पर जोर दिया। उन्होंने नियम पालन से परे जाने की आवश्यकता भी बताई। व्यवधान, नवाचार, नेतृत्व और डिजिटल साक्षरता के आवश्यक तत्वों पर प्रकाश डाला। यह हमारे लिए कितना महत्वपूर्ण है। हर क्षेत्र में नवाचार की जरूरत होती है। नए आइडिया की जरूरत है। इस तकनीकी दौर में डिजिटल साक्षरता कितनी महत्वपूर्ण है, यह हम सब दैनिक जीवन में भी देख सकते हैं। उन्होंने एआइ, एमएल और प्रौद्योगिकी जैसे समकालीन कौशल में छात्रों की तैयारी की वकालत करते हुए विशेषज्ञ से सामान्यवादी भूमिकाओं तक उनके विकास को रेखांकित किया। बालासुब्रमण्यम ने नकली सामग्री के प्रभुत्व वाली दुनिया में प्रामाणिकता पर जोर देते हुए संकायों से छात्रों के साथ सह-सीखने का आग्रह किया। उन्होंने संक्षिप्त इंटरनेट मीडिया सामग्री के आधार पर राय निर्माण पर चिंता व्यक्त की और विषयों की गहरी समझ का आग्रह किया। मतलब साफ था कि हम इंटरनेट मीडिया पर चल रही सामग्री के आधार पर कोई राय न बनाएं। यह खतरनाक है। हमें किसी विषय की सतही नहीं, गहरी समझ की जरूरत है।

इसके पूर्व संस्थान के निदेशक प्रोफेसर दीपक कुमार श्रीवास्तव ने आइआइएम रांची की 14 साल की यात्रा पर प्रकाश डाला। बता दें क हाल ही में प्रधानमंत्री ने इस परिसर का आनलाइन उदघाटन किया था। पिछले दो वर्षों में संस्थान के शोध और प्रकाशनों के बारे में प्रकाश डाला। उन्होंने हैदराबाद में केंद्र की स्थापना के बारे में भी बताया। वर्चुअल संबोधन में आइआइएम रांची के बोर्ड ऑफ गवर्नर्स (बीओजी) के अध्यक्ष प्रवीण शंकर पंड्या ने संस्थान के बुनियादी ढांचे के लिए आभार व्यक्त किया।

Dainik Jagran_16.12.2023_Pg. 02